बनारस रेल इंजन कारखाना
वाराणसी - 221004
BANARAS LOCOMOTIVE WORKS
VARANASI-221004

PRESS / MEDIA COVERAGE OVER BLW, VARANASI

काशीवार्ता, वाराणसी (पृष्ठ सं.- 03)
दिनांक: 19.12.2023

पीएम ने बरेका निर्मित 10,000वां लोकोमोटिव राष्ट्र को किया समर्पित

वाराणसी (**काशीवार्ता**)। विकसित भारत, संकल्प यात्रा के अवसर पर लोकोमोटिव डब्ल्यूडीपी4डी को हरी झंडी दिखाई थी और लोको उत्पादन में

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बनारस रेल इंजन कारखाना द्वारा निर्मित 10,000वां लोकोमोटिव डब्ल्यूएपी7 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हरी झण्डी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित किया । प्रधानमंत्री ने बरकी गांव, आयोजित सभा स्थल से रिमोट के माध्यम से इस लोकोमोटिव का लोकार्पण किया। विदित हो कि दिसम्बर 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री ने डूअल कैब डीजल आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मेक इन इंडिया का मंत्र दिया था। तबसे बरेका न सिर्फ आत्मनिर्भरता के रास्ते पर तेजी से दौड़ा, बल्कि और शक्तिशाली इंजन बनाने में सफलता भी मिली। जिसका परिणाम है कि बरेका ने 10,000वां लोकोमोटिव बनाकर एक इतिहास रचा है। महाप्रबंधक बासुदेव पांडा सहित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी में खुशी का माहौल व्याप्त है।

सन्मार्ग, वाराणसी (पृष्ठ सं.- 05)
दिनांक: 19.12.2023

प्रधानमंत्री ने बरेका निर्मित 10,000वें लोकोमोटिव राष्ट्र को किया समर्पित

रेल इंजनों की अश्वं शक्ति में वृद्धि के साथ ही नयी-नयी तकनीक का बरेका ने किया विकास

वाराणसी। विकसित भारत, संकल्प यात्रा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बनारस रेल इंजन कारखाना द्वारा निर्मित 10,000वां लोकोमोटिव वैप 7 का वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हरी झण्डी दिखाकर राष्ट्र को सम्पर्पित किया। प्रधानमंत्री ने बरकी गांव, वाराणसी में आयोजित सभा स्थल से रिमोट के माध्यम से इस लोकोमोटिव का लोकार्पण किया। विदित हो कि दिसम्बर 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री ने डूअल कैब डीजल लोकोमोटिव वर्डपैडको हरी झंडी दिखाई थी और लोको उत्पोदन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मेक इन इंडिया का मंत्र दिया था। तबसे बरेका न सिर्फ आत्मनिर्भरता के रास्ते पर तेजी से दौड़ा, बल्कि और शक्तिशाली इंजन बनाने में सफलता भी मिली। जिसका परिणाम है कि आज बरेका 10,000वां लोकोमोटिव बनाकर एक इतिहास रचा है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए संपूर्ण बरेका गौरवान्वित महसूस कर रहा है। महाप्रबंधक बासुदेव पांडा सहित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी में खुशी का माहौल व्याप्त है, खासकर महिला कर्मचारियों में अत्यधिक उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर काफी संख्या में बरेका अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे बनारस रेल इंजन कारखाना जिसे पहले डीजल रेल इंजन कारखाना के नाम से जाना जाता था, ने एलसीओ लोको तकनीक पर आधारित पहला लोकोमोटिव तैयार करके अपनी यात्रा शुरू कर न केवल रेल इंजनों के उत्पानदन में कीर्तिमान स्थापित किया है, बल्कि रेल इंजनों की अश्वं शक्ति में वृद्धि के साथ ही नयी-नयी तकनीक का भी विकास किया है। वर्ष 2017 से बरेका ने विद्युत लोको का निर्माण शुरू किया। वर्तमान में बरेका रेलवे के लिए यात्री सेवा हेतु वैप 7 और मालवाहक हेतु वैप 9 इंजनों के निर्माण के साथ ही गैर रेलवे ग्राहकों एवं निर्यात के लिए रेल इंजन का उत्पादन कर रहा है। अब तक बरेका 1687 विद्युत लोकोमोटिव, 7498 डीजल लोकोमोटिव, 172 निर्यातित लोकोमोटिव (11 देशों में), गैर रेलवे ग्राहक हेतु 634 लोकोमोटिव, 01 डुएल (डीजल+विद्युत) मोड लोकोमोटिव, 08 डीजल से इलेक्ट्रिक में परिवर्तित लोकोमोटिव का निर्माण किया है। उल्लेखनीय है कि बरेका की नीव प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद ने 23 अप्रैल 1956 को रखी गयी थी। अगस्त 1961 में बरेका अपने अस्तित्व में आया। 03 जनवरी 1964 में पहला ब्राड गेज डब्ल्यूडीएम 2 का लोकार्पण पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एवं नवम्बर 1968 में पहले मीटर गेज रेल इंजन वाइडीएम 4 का लोकार्पण पूर्व प्रधानमंत्री श्री मोरारजी देसाई ने किया था। बरेका ने अपनी स्थापना से लेकर अब तक 10,000 रेल इंजन बनाकर अभूतपूर्व इतिहास रचा है। प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित 10,000वां एसी-एसी 6000 अश्व शक्ति पैसेंजर लोकोमोटिव वैप 7-37638 साउथ सेंट्रल रेलवे के लालागुडा इलेक्ट्रिक लोको शेड को भेजा जा रहा है। उक्त लोकोमोटिव जो आरटीआईएस-वास्तविक समय सूचना प्रणाली, गर्मियों के लिए वातानुकूलित ड्राइवर कैब, सर्दियों के दौरान ड्राइवर के लिए गर्म हवा का प्रावधान, हॉग- ट्रेन लाइटिंग के लिए हेड ऑन जेनरेशन, रिजेनरेटिव ब्रेक सिस्टम जैसी प्रमुख विशेषताओं से सुसज्जित है, जिसकी स्पीड 140 किमी प्रति घंटा है। लोकार्पण समारोह में बरेका महाप्रबंधक बासुदेव पांडा, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एस.के. श्रीवास्तव, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक रजनीश गुप्ता, प्रधान वित्त सलाहकार नीरज वर्मा, प्रमुख मुख्य इंजीनियर विनोद बमपाल, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री रणवीर सिंह चौहान, प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश कुमार, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री विजय कुमार श्रीवास्तव, मुख्य अभिकल्प इंजीनियर-विद्युत लोको अनील कुमार जैन, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक विजय, मुख्य विद्युत इंजीनियर-लोको अरूण कुमार शर्मा, मुख्य विद्युत सर्विस इंजीनियर एम.के.सिंह, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर नीरज जैन, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर-उत्पादन एवं विपणन श्री सुनील कुमार, जन सम्पर्क अधिकारी श्री राजेश कुमार के साथ ही संयुक्त सचिव कर्मचारी परिषद श्रीकांत यादव, सदस्य कर्मचारी परिषद अमित यादव, अमित कुमार, संतोष कुमार यादव, मनीष कुमार सिंह, नवीन सिन्हा एवं बड़ी संख्या में विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

गूंज उठी रणभेरी, वाराणसी (पृष्ठ सं.- 02)
दिनांक: 19.12.2023

पीएम ने राष्ट्र को समर्पित किया 10,000वां लोकोमोटिव इंजन

वाराणसी(रणभेरी सं.)। विकसित भारत, संकल्प यात्रा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बनारस रेल इंजन कारखाना द्वारा निर्मित 10,000वां लोकोमोटिव डब्ल्यूएपी7 का वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हरी झण्डी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने बरकी गांव में आयोजित सभा स्थल से रिमोट के माध्यम से इस लोकोमोटिव का लोकार्पण किया।

विदित हो कि दिसम्बर 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री ने डूअल कैब डीजल लोकोमोटिव को हरी झंडी दिखाई थी और लोको उत्पोदन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ह्लमेक इन इंडियाह्व का मंत्र दिया था। तबसे बरेका न सिर्फ आत्मनिर्भरता के रास्ते पर तेजी से दौड़ा, बल्कि और शक्तिशाली इंजन बनाने में सफलता भी मिली। जिसका परिणाम है कि आज बरेका 10,000वां लोकोमोटिव बनाकर एक इतिहास रचा है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए संपूर्ण बरेका गौरवान्वित महसूस कर रहा है। महाप्रबंधक बासुदेव पांडा सहित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी में खुशी का माहौल व्याप्त है, खासकर महिला कर्मचारियों में अत्यधिक उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर काफी संख्या में बरेका अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।